• बाल कविता...

अजब नजारे

हवा चल रही तेज बड़ी थी,
एक खटइया कहीं पड़ी थी!
उड़ी खटइया आसमान में,
फिर मच्छर के घुसी कान में!
वहीं खड़ा था काला भालू,
बैठ खाट पर बेचे आलू।
आलू में तो छेद बड़ा था,
शेर वहां पर तना खड़ा था!
लंबी पूंछ लटकती नीचे,
झटका दे-दे मुनिया खींचे!
खिंची पूंछ तो गिरा शेर था,
गिरते ही बन गया बेर था!
बेर देखकर झपटा बंदर,
खाकर पहुंचा पार समंदर!
पार समंदर अजब नजारे,
दिन में दीख रहे थे तारे!
तारों बीच महल था भारी,
राजा की जा रही सवारी!
छोड़ सवारी राजा-रानी,
उठा बाल्टी भरते पानी!
मीठा था मेहनत का पानी,
पीकर झूमें राजा-रानी!
अच्छा भैया, खतम कहानी,
अब तो मुझे पुकारे नानी!

■ लता पंत

आज टिफिन में

आज टिफिन में पूरी रखना
आज टिफिन में टिक्की,
थोड़ा मिल्क केक भी रख दो
तो खुश होगी चिक्की।
मुझको रोज खिलाया करती
बिस्कुट अच्छे-अच्छे,
टिक्की खाकर बोलेगी वह
तुम हो कितने अच्छे!

■ प्रकाश मनु

• चुटकुले...

एक दिन पति ने पत्नी को शराब चखाई।
पत्नी– यह तो बहुत कड़वी है।
पति– ...तो तुम क्या समझती थी कि मैं अय्याशी करता हूं.... जहर के घूंट पीता हूं, जहर के।

मच्छर का बच्चा पहली बार उड़ा, जब वापिस आया तो मच्छर के पापा ने पूछा- कैसा लगा उड़कर?
मच्छर का बच्चा बोला- बहुत अच्छा..
जहां भी गया, लोग तालियां बजा रहे थे।

• जानकारी...

वनीला आइसक्रीम

दुनियाभर में आइसक्रीम के शौकीनों की कमी नहीं है, ऐसे में बात जब वनीला आइक्रीम की आती है तो लोगों के मुंह में पानी आना स्वभाविक है। ऐसे में क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे पहले वनीला आइसक्रीम बनाई कैसे गई थी और इसका इतिहास क्या है?

सबसे पहली वेनीला बीन एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल चॉकलेट ड्रिंक्स को स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता था, लेकिन समय के साथ वेनिला ने चॉकलेट ड्रिंक्स से अलग एक अलग फ्लेवर के रूप में अपनी खास पहचान बनाई।

आखिरकार 1760 के दशक तक, फ्रांसीसियों ने इसे एक अलग आइसक्रीम फ्लेवर में बदल दिया। इस रेसिपी ने अमेरिका के संस्थापकों में से एक थॉमस जेफरसन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जिन्होंने वनीला को नई पहचान दिलाई। आज के समय में हर जगह वनीला आइसक्रीम की खास डिमांड रहती है।

आइसक्रीम का इतिहास जितना दिलचस्प है उतनी ही इसे लेकर अलग-अलग धारणाएं भी हैं। कुछ लोग मानते हैं कि आइसक्रीम का आविष्कार चीन में 3000 ईसा पूर्व यानी तकरीबन 5000 साल पहले हुआ था। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि इटली के एक व्यापारी मार्कोपोलो ने पहली बार आइसक्रीम एक डिश के रूप में बनाई थी।

हालांकि आइसक्रीम का जिक्र सबसे पहली बार 500 ईसा पूर्व ईरान के अचमेनिद साम्राज्य में भी मिलता है। कहते हैं कि फारसियों ने 400 ईसा पूर्व ही बर्फ से कई फ्लेवर की आइसक्रीम बनाना शुरू किया था। इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि 200 ईसा पूर्व के आसपास चीन में आइसक्रीम बनाने के लिए दूध और चावल का इस्तेमाल किया जाता था। उस समय इसका स्वाद भारत में मिलने वाली ठंडी खीर की तरह ही होता था।

अब सवाल ये उठता है कि आइक्रीम भारत में सबसे पहले कौन लाया और ये सबकी पसंद कैसे बन गई? तो बता दें कि यहां आइसक्रीम मुगल बादशाहों के साथ पहुंची थीं। ऐसे दस्तावेज देखने को मिलते हैं, जो बताते हैं कि बादशाह अकबर के लिए आइसक्रीम जैसा ठंडा डेजर्ट बनाया गया था। इसकी रेसिपी आइना-ए-अकबरी और अकबरनामा में नजर आती है। आइसक्रीम को बड़े स्तर पर बनाने के लिए 1851 में इंसुलेटेड आइस हाउस का अविष्कार हुआ था। इसके बाद शाही परिवारों और अमीर लोगों तक सीमित आइसक्रीम आम आदमी तक भी पहुंची। इसके बाद ही खास से लेकर आम आदमी भी आइसक्रीम का स्वाद चखने लगा और धीरे-धीरे ये लोगों पसंद बन गई।

• तेनालीराम

शेखचिल्ली और कुएं की परियां

बेबस शेखचिल्ली खिसियाए हुए – से फिर चल दिए। वह फिर उसी कुएं के चबूतरे पर जाकर बैठ गए। समझ में नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए। जब सोचते – सोचते वह हार गए और कुछ भी समझ में न आया तो उनकी आंखें छलछला आई और रोने लगे।

यह देखकर कुएं की चारों परियां फिर बाहर आयी और शेखचिल्ली से उनके रोने का कारण पूछा। शेखचिल्ली ने सारी आपबीती कह सुनाई। परियों को हंसी आ गई...

गतांक से आगे...

ज ब से तुम घर से गए हो, घर में चूल्हा नहीं जला है। कहीं जाकर मन लगाकर काम करो तो कुछ तनखा मिले और हम दोनों को दो जून खाना नसीब हो। इन जादुई चीजों से कुछ नहीं होने का।'

बेबस शेखचिल्ली खिसियाए हुए - से फिर चल दिए। वह फिर उसी कुएं के चबूतरे पर जाकर बैठ गए। समझ में नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए। जब सोचते - सोचते वह हार गए और कुछ भी समझ में न आया तो उनकी आंखें छलछला आई और रोने लगे। यह देखकर कुएं की चारों परियां फिर बाहर आयी और शेखचिल्ली से उनके रोने का कारण पूछा। शेखचिल्ली ने सारी आपबीती कह सुनाई। परियों को हंसी आ गई। वे बोलीं, 'हमने तो तुमको कोई भयानक दानव समझा था। और इसलिए खुश करने के लिए वे चीजें दी थीं। लेकिन तुम तो बड़े ही भोले - भाले और सीधे आदमी निकले। खैर, घबराने की जरूरत नहीं। हम तुम्हारी मदद करेंगी। तुम्हारा कठपुतला और कटोरा उन्हीं लोगों ने चुराया है, जिनके यहाँ रात को तुम रुके थे। इस बार तुम्हें एक रस्सी व डंडा दे रही हैं। इनकी मदद से तुम उन दोनों को बांध व मारकर अपनी दोनों चीजें वापस पा सकते हो।' इसके बाद परियां फिर कुएं में चली गयीं।

जादुई रस्सी - डंडा लेकर शेखचिल्ली फिर उसी आदमी के यहाँ पहुंचे और कहा, 'इस बार मैं तुम्हें कुछ और नये करतब दिखाऊंगा।' वह आदमी भी लालच का मारा था। उसने समझा कि इस बार कुछ और जादुई चीजें हाथ लगेंगी। इसलिए उसमें खुशीखुशी शेखचिल्ली को अपने यहाँ टिका लिया। लेकिन इस बार उल्टा ही हुआ। शेखचिल्ली ने जैसे ही हुक्म दिया वैसे ही उस घरवाले व उसकी बीवी को जादुई रस्सी ने कस कर बांध लिया और जादुई डंडा दनादन पिटाई करने लगा। अब तो वे दोनों चीखने - चिल्लाने और माफी मांगने लगे। शेखचिल्ली ने कहा, 'तुम दोनों ने मुझे धोखा दिया है। मैंने तो यह सोचा था कि तुमने मुझे रहने को जगह दी है, इसलिए मैं भी तुम्हारे साथ कोई भलाई कर दूं। लेकिन तुमने मेरे साथ उल्टा बर्ताव किया! मेरे कठपुतले और कटोरे को ही चुरा लिया। अब जब वे दोनों चीजें तुम मुझे वापस कर दोगे, तभी मैं अपनी रस्सी व डंडे को रुकने का हुक्म दूंगा।' उन दोनों ने झटपट दोनों चुराई हुई चीजें शेखचिल्ली को वापस कर दीं। यह देखकर शेखचिल्ली ने भी अपनी रस्सी व डंडे को रुक जाने का हुक्म दे दिया।

अब अपनी चारों जादुई चीजें लेकर शेखचिल्ली प्रसन्न मन से घर को वापस लौट पड़े। जब बीवी ने फिर देखा कि शेखचिल्ली वापस आ गए हैं तो उसे बड़ा गुस्सा आया। उसे तो कई दिनों से खाने को कुछ मिला नहीं था, इसलिए वह भी झुंझलाई हुई थी। दूर से ही देखकर वह चीखी, 'कामचोर तुम फिर लौट आए! खबरदार, घर के अंदर पैर न रखना! वरना तुम्हारे लिए बेलन रखा है।' यह सुनकर शेखचिल्ली दरवाजे पर ही रुक गए! मन ही मन उन्होंने रस्सी व डंडे को हुक्म दिया कि वे उसे काबू में करें। रस्सी और डंडे ने अपना काम शुरू कर दिया। रस्सी ने कसकर बांध लिया और डंडे ने पिटाई शुरू कर दी। यह जादुई करतब देखकर बीवी ने भी अपने सारे हथियार डाल दिए और कभी वैसा बुरा बर्ताव न करने का वादा किया। तभी उसे भी रस्सी व डंडे से छुटकारा मिला। अब शेखचिल्ली ने अपने कठपुतले व कटोरे को हुक्म देना शुरू किया। बस, फिर क्या था! कठपुतला बर्तन - भाड़े व जिन - जिन चीजों की कमी थी झटपट ले आया और कटोरे ने बात की बात में नाना प्रकार के व्यंजन तैयार कर दिए।

-समाप्त

• रोचक...

डुरंडल तलवार

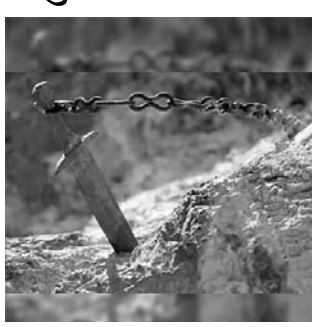

डुरंडल तलवार फ्रांस के ऐतिहासिक शहर रोकोमैडॉर में एक चट्टान में गड़ी हुई थी। इतना समय बीत जाने के कारण, तलवार में जंग लग चुकी है। लेकिन फिर भी इसे देखने रोजाना बड़ी तादाद में लोग आया करते थे। सुरक्षा के तौर पर इस तलवार को एक चेन से बांधा गया था। लेकिन अब ये तलवार चोरी हो गई है। तलाव की शक्ति और रोलांड की बहादुरी की जानकारी 11वीं शताब्दी के फ्रांसीसी महाकाव्य 'द सॉन्ग ऑफ रोलैंड' में मिलती है। इसमें बताया गया है तलवार वाकई में जादुई थी। इसे यूरोप के सबसे कुशल शिल्पकार ने बनाया था। तलवार इतनी धारदार थी कि एक ही वार से पत्थर दो टुकड़ों में कट जाता। कहा जाता है कि कई पवित्र ईसाई अवशेषों को मिलाकर तलवार को जादुई बनाया गया था। इसे बनाने में संत पीटर के दांत और सेंट बेसिल के खून जैसी चीजें शामिल थी। डुरंडल तलवार के लिए कहा जाता है कि 8वीं शताब्दी में एक फरिश्ते ने रोमन सम्राट शारलेमेन को दी थी। शारलेमेन ने बाद में इस तलवार को रोलांड को दे दिया, जो उसका सबसे बहादुर और शूरवीर सैनिक था।

• सोने के दौरान दिमाग...

वैज्ञानिकों ने इस शोध के दौरान पाया कि दिमाग के एक बेहद छोटे से हिस्से में सोने के दौरान अचानक से मस्तिष्क तरंगे चलने लगती हैं। वहीं जब इंसान जगा हुआ होता है तो इस हिस्से की मस्तिष्क तरंगे अचानक से कुछ मिली सेकंड के लिए बंद हो जाती हैं। यह शोध फिलहाल चूहों पर हुआ है। दरअसल, 4 साल तक वैज्ञानिकों ने चूहों के दिमाग के अलग-अलग हिस्सो पर रिसर्च किया और इसी शोध के दौरान एक दिन उन्हें ये पता चला कि दिमाग में एक ऐसा हिस्सा भी है जो सोते वक्त जागता है और जागते वक्त सोता है।